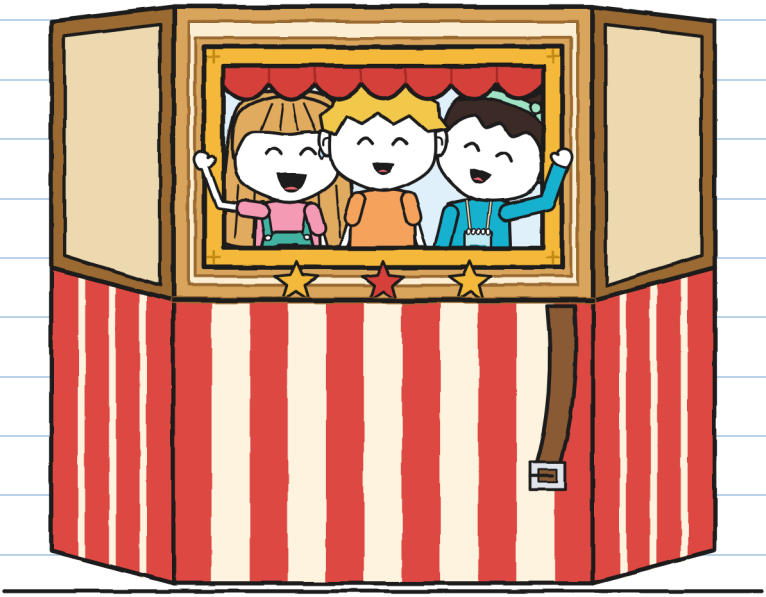
नामुमकिन डिलीवरी · 6

एक जगह, हम तीन

LinguAula



(मुनी की डायरी)

साइल S
शुरुआती स्तर · 7+

नामुमकिन डिलीवरी · 6
एक जगह, हम तीन

लेखन और चित्र: LinguAula

साइज़ S · शुरुआती स्तर · 7+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 LinguAula · info@linguaula.com

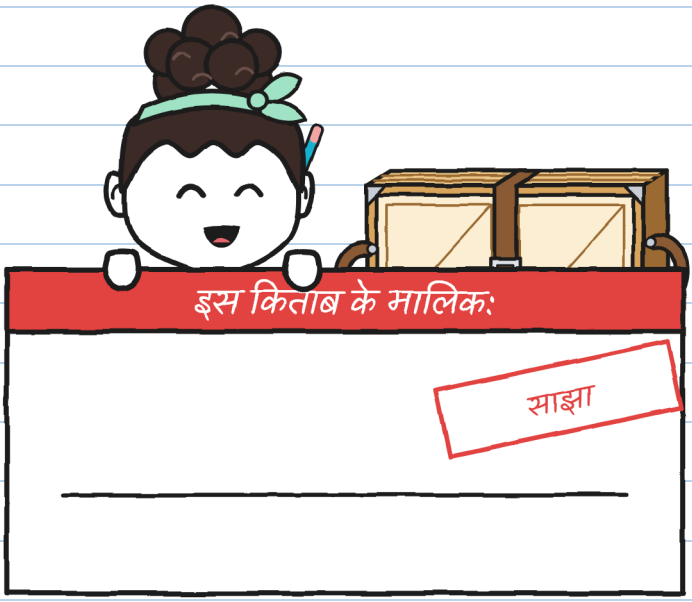
कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की छठी किताब। पिछली किताबें: "यह पार्सल काटता है", "बादल गरजने से पहले न खोलें", "वापस आया, प्लीज़", "यहाँ नहीं, चूरा!" और "एक केक, हम दो"।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

यह तीन लोग उठाते हैं। मैंने हतूथा चुन लिया। –ज.



साझा। हम समाते हैं। –ज.

अगर यह तुम्हें मिले, तो इसे तह करके लौटाना।

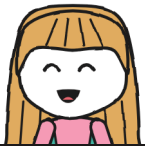
सिर्फ़ कहानी में

यह मुहर उस चीज़ पर लगती है जो सिर्फ़ कहानी में होती है। असली ड्रैगन नहीं होते। पार्सल उड़कर वापस नहीं आते। असली दुलाई के लिए पन्ना 76 देखो। –ज.

कौन कौन है



गुनी। सेंटीमीटर में नापता है। इस हफ़्ते एक और चीज़ भी गिनता है।



जूलिता। उसे रास्ता पता है। उसे समझाना दूसरी बात है।



नोआ। जूलिता की पुरानी दोस्त। क़दमों से नापती है: क़दम हमेशा उसके साथ रहते हैं।



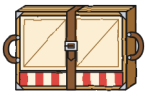
आइरीन। थिएटर वर्कशॉप चलाती हैं। रास्ता नहीं बतातीं: "रुको" कहती हैं।



टोन्यो। "बिजली" का और दुकान का। समय नापता है, राय नहीं देता। लगभग।



मारा। पार्सल उधार देती है। डिब्बा नहीं छोड़तीं।



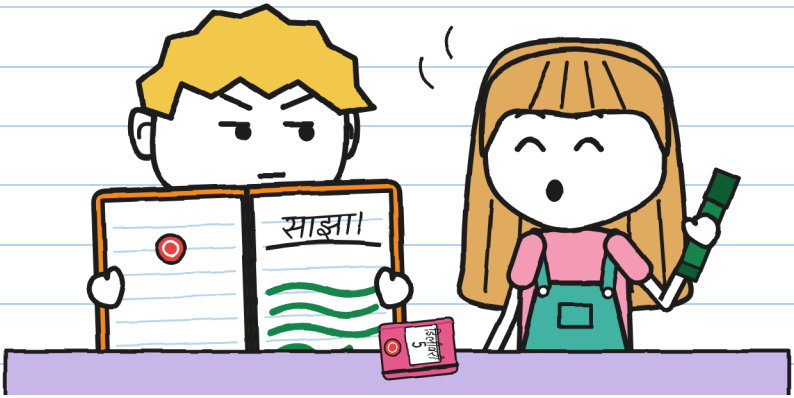
नं. 6। एक थिएटर जो एक डिब्बे में समा जाता है। पट्टा कोई न पकड़े, तो जहाँ मन करे वहाँ खुल जाता है।



R. प्रेषक। इस बार इन्वेंटरी में एक लाइन छूट गई है।

डिलीवरी डायरी 6
गुनी की

साझा।



डायरी नंबर 5 एक घड़ी में दो सुइयों के साथ ख़त्म हुई। यह वाली नारंगी है, संतरे जैसी। इस पर भी दुकान की मुहर है।

पहले पन्ने पर मैंने एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

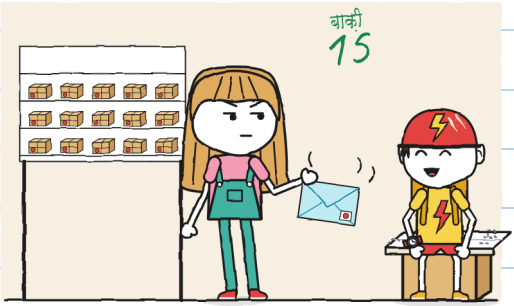
मैंने पहला पन्ना अपनी लिखावट के साथ साझा कर लिया है। –ज.

अध्याय 1

तीन लोग क्यों चाहिए?

सोमवार को मैं स्कूल से निकला। जूलिता काउंटर पर लिफ़ाफ़ा लिए इंतज़ार कर रही थी। वह फ़िरोज़ी था और बंद था।

"डाकिया लाया है। 'नामुमकिन डिलीवरी की दुकान'। मैंने अब तक नहीं खोला।"
"कितनी देर से?"
"अट्ठाईस मिनट," टोन्यो ने अपने डिब्बे से घड़ी देखते हुए कहा। "मोहल्ले का रिकॉर्ड।"

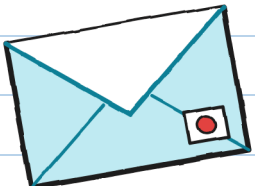


यह मेरा नहीं था। तिगुना भारी लगा। –ज.

मारा ने उसे नाख़ून से खोला।

मैं आइरीन हूँ, कम्युनिटी सेंटर की थिएटर वर्कशॉप की प्रभारी।
इन्वेंटरी अपडेट करते समय मुझे एक लाइन मिली:
"तह होने वाला छोटा थिएटर: पाना बाक़ी।"
क्या वह आपके पास है?
शनिवार 31 को मोहल्ले का मुक़ाबला है।
अगर छोटा थिएटर तह होकर हमारे आँगन तक पहुँच जाए,
तीन लोगों की टीम उसे लेकर आए, तो मैं वहीं दस्तख़त कर दूँगी।
नोआ की टीम में तीन लोगों की जगह है और अभी सिर्फ़ वही है।

जूलिता: मैं हूँ! अब मैं थिएटर करती हूँ।
किसी ऐसे को ले आओ जिसे पार्सलों का पता हो। –नोआ

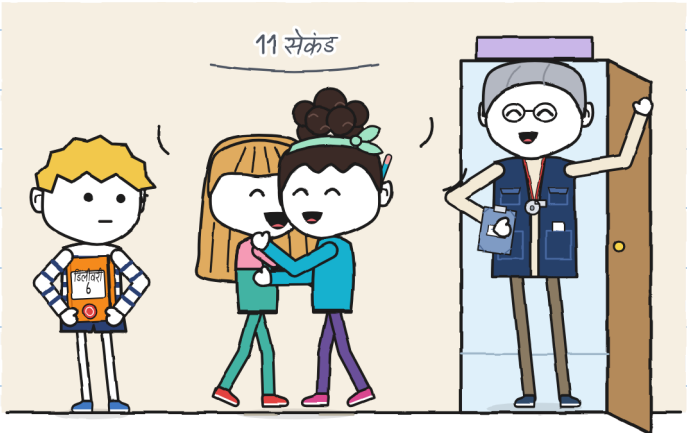


"जिसे पार्सलों का पता हो।" वह मैं था। "पार्सलों" मुझे अच्छा लगा। "किसी ऐसे," कम।

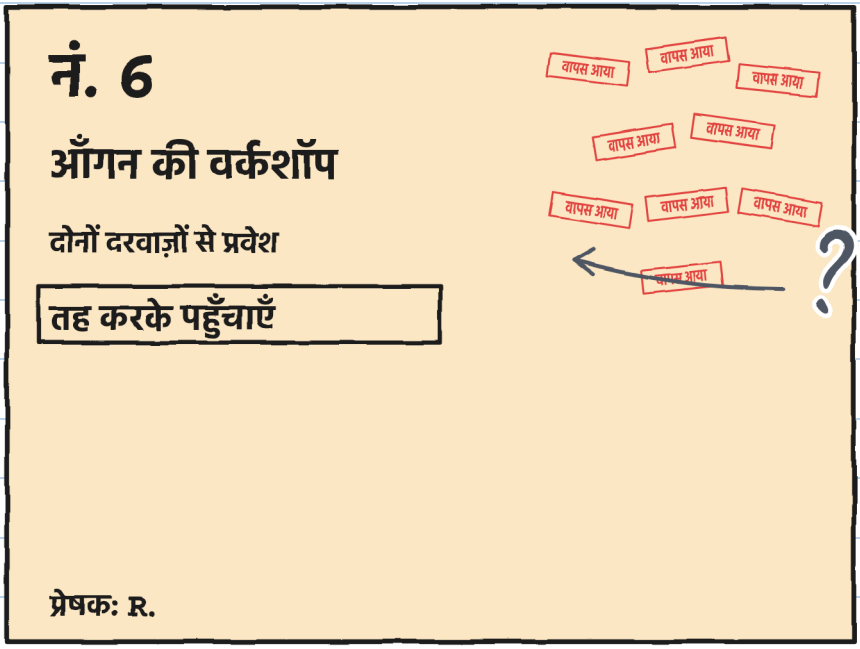
पाँच बजे आइरीन और नोआ आईं। आइरीन के पास एक फ़ाइल थी, जेबों वाली वास्कट और गले में एक सीटी। नोआ के पास लटकी हुई एक नोटबुक थी और कान के पीछे एक फ़िरोज़ी पेंसिल।

जूलिता और नोआ बहुत देर गले मिलीं। मुझे नापने का वक़्त मिल गया: ग्यारह सेकंड। मैं डायरी लिए एक तरफ़ खड़ा रहा। डायरी इसके भी काम आती है: हाथ में कुछ रखने के लिए।

"यह गुनी है," जूलिता ने कहा। "इसे पार्सलों का पता है।"
"हाय, पार्सलों वाले गुनी," नोआ ने कहा। और उसने मेरा नाम अपनी नोटबुक में लिख लिया।



मारा स्टूल पर चढ़ीं और शेल्फ़ से नं. 6 उतारा। बाक़ी सबकी तरह एक डिब्बा।



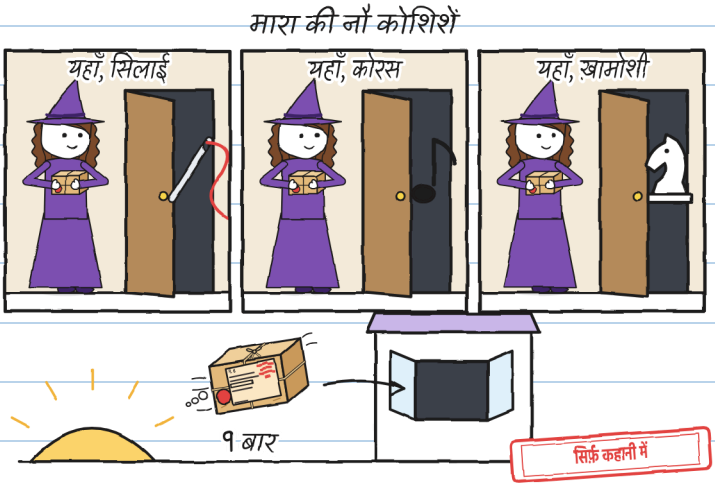
"नौ मुहरें," जूलिता ने कहा।
"'दोनों दरवाज़े,'" नोआ ने पढ़ा। "कौन-से दो दरवाज़े?"

आइरीन को नहीं पता था। मारा को भी नहीं। मैंने उसे प्रश्नचिह्न के साथ लिख लिया।

“मैं इसे नौ बार ले गई,” मारा ने कहा। “सोमवार को सिलाई वाला समूह मेरे लिए खोलता था। बुधवार को कोरस। शुक्रवार को शतरंज। ‘वर्कशॉप? यहाँ नहीं है।’ वर्कशॉप के नाम पर कोई दस्तख़त नहीं करता था।”
“थिएटर आँगन में रिहर्सल करता है,” आइरीन ने कहा। “वहाँ घंटी नहीं है।”

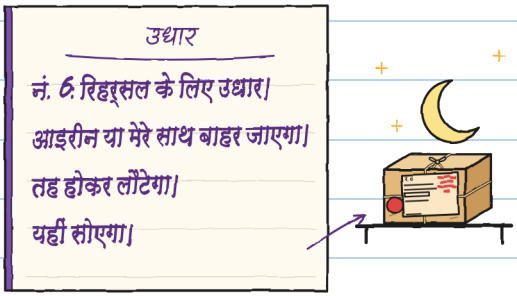
आइरीन ने फ़ाइल खोली और मारा को मुहर वाला एक काग़ज़ दिखाया।

“अब वर्कशॉप रजिस्टर में है: ‘थिएटर वर्कशॉप। प्रभारी: आइरीन।’ अब कोई दस्तख़त करता है।”



"अब जब दस्तख़त करने वाला कोई है, तो मारा इसे अपने डिब्बे में क्यों नहीं ले जाती?" जूलिता ने पूछा।
"मैं इसे अपने डिब्बे में नौ बार ले जा चुकी हूँ," मारा ने कहा। "अब शर्तें वह रखेगा जो इसे लेगा।"
"तह होने वाला छोटा थिएटर चौक-चौराहों पर ले जाने के लिए है," आइरीन ने कहा। "मेरे बच्चे इसे सड़क पर उठा सकें। न उठा सकें, तो यह मेरे काम का नहीं। और जो मेरे काम का नहीं, उस पर मैं दस्तख़त नहीं करती।"

"यह मैंने एक बेकरी में सुना था," मारा ने कहा। शर्तें डिलीवरी की किताब में लिख लीं। लेबल डिब्बे में रहेगा। डिब्बा मारा के पास।

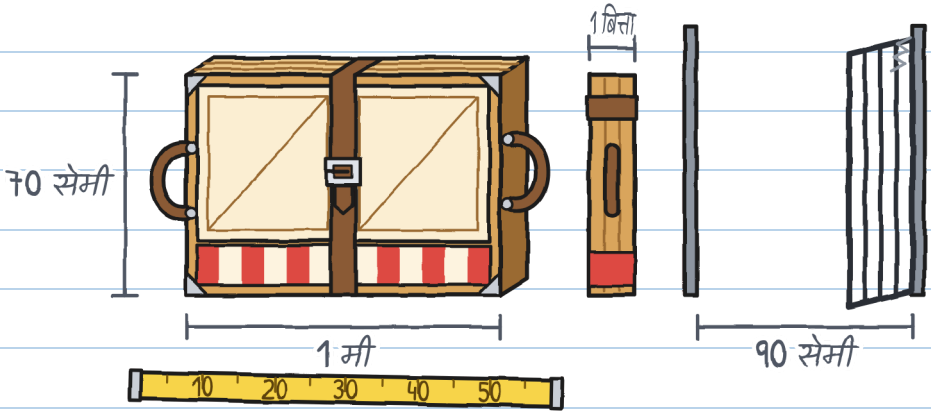


यह शेल्फ़ पर सोता है। सुबह लौटने की कोई जगह नहीं। यह अब भी नौ मुहरों पर है। मैंने पूछा था। –ज.

मंगलवार को हम कम्युनिटी सेंटर के आँगन में गए। फ़ुटपाथ से लोहे के फाटक से अंदर जाते हैं। वह अपने आप बंद हो जाता है।

मारा ने डिब्बा ज़मीन पर रखा और ढक्कन हटा दिया। छोटा थिएटर बाहर आया और बड़ा हो गया, एलिया के स्टैंड की तरह। मैं अब डरता नहीं। इंची टेप निकाल लेता हूँ।

नं. 6 की नाप

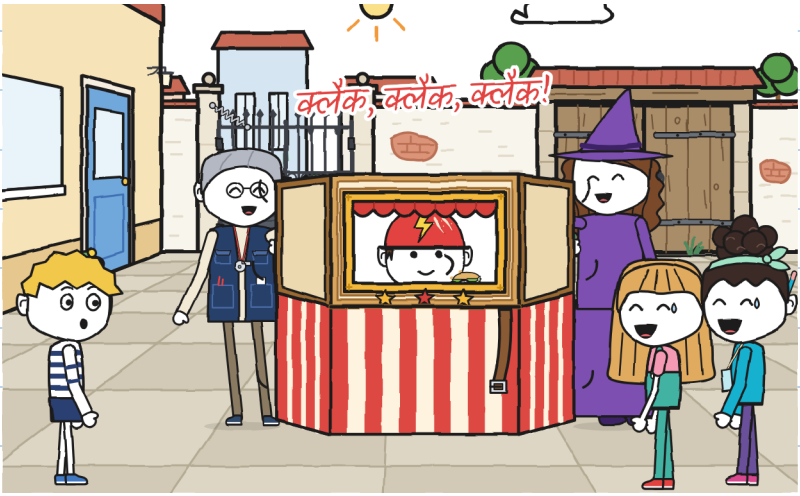


बग़ल के बल वह फाटक से निकल जाता था। यह आसान वाला हिस्सा था।

आइरीन ने देखना चाहा कि वह पूरा है या नहीं। उन्होंने पट्टा खोला और गठरी को घुमाया। पैनल अपने वज़न से अपने आप खुल गए: क्लैक, क्लैक, क्लैक। वह तीन दीवारों वाला एक मंच था, एक छोटा परदा और पीछे फ़्रेम वाली एक खिड़की।

खिड़की से टोन्यो दिखा। वह सैंडविच लिए गुज़र रहा था। उसका मुँह भरा था और वह नमस्ते नहीं कर पाया।

"पूरा है," आइरीन ने कहा। "वर्कशॉप का नियम: हाथ हत्थों पर। हिंज पर कभी नहीं। और हर मोड़ पर कोई पट्टा पकड़े रहे।"



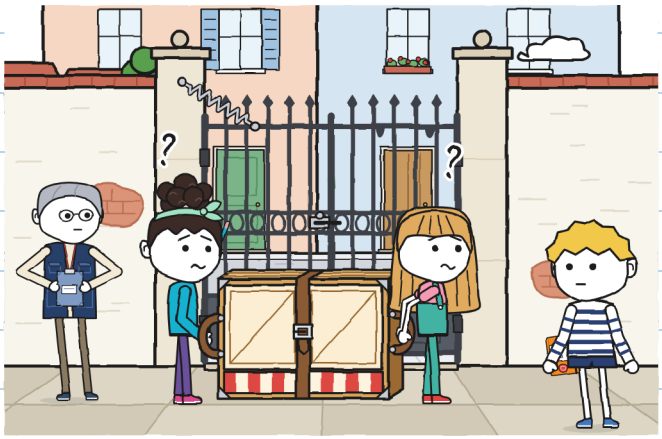
आइरीन और मारा ने उसे तह किया और पट्टा बाँध दिया।

"हम दोनों कोशिश करती हैं," जूलिता ने कहा। नोआ पहले से दूसरे हत्थे पर थी।

उन्होंने तीन तक गिना और उसे उठा लिया। उठ गया। उन्होंने आँगन का एक चक्कर लगाया। वे फाटक तक पहुँचीं। वह बंद था।

जूलिता ने उसे देखा। नोआ ने उसे देखा। उनके पास चार हाथ थे और चारों भरे हुए थे।

मैं दो मीटर दूर था, हाथ ख़ाली और एक डायरी लिए।



मैंने फाटक को अपनी पीठ से रोक लिया। वे निकल गईं। आइरीन ने फ़ाइल में कुछ लिखा।

उसी शाम मैंने इस डायरी की मशीन बनाई।

तीन का मीटर

हर हिस्से में कौन क्या करता है

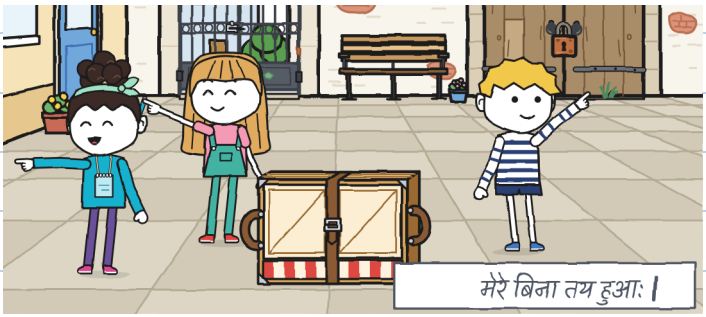
	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 
आँगन, पहली कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	
आँगन, दूसरी कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	गुनी

दो नाम दोहराए गए और एक खाना ख़ाली: आगे नहीं बढ़ना है। तीनों खाने भरे हों, तो बढ़ सकते हैं।

और मैंने एक और बात लिखी, छोटी-सी: "फाटक को पत्थर भी रोक सकता है।"

लेबल समझना बाक़ी था।
"दो दरवाज़े मतलब फाटक के दोनों पल्ले," जूलिता ने कहा।
"दोनों खोलने पड़ेंगे," नोआ ने कहा।
"पहले हम चारदीवारी नाप सकते हैं," मैंने कहा।
हम तीनों ने इशारा किया: जूलिता ने फाटक की ओर; नोआ ने कमरे की ओर; मैंने सड़क की ओर।
"बाद में," दोनों ने कहा।

मैं अकेला गया। चारदीवारी के पीछे मुझे एक चीज़ मिली। जब लौटा, तो वे उस बात पर हँस रही थीं जो तब की थी जब मैं यहाँ नहीं था। मैंने मुँह खोला।
"तय हो चुका है, गुनी," जूलिता ने कहा। "दोनों पल्ले।"
मैंने मुँह बंद कर लिया। और डायरी भी।



वह लकीर मैंने दो दिन बाद देखी। वह मेरी ही थी। –ज.

एक कहानी, छह साइज़

छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक के लिए, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L के पन्ने और चित्र एक जैसे हैं। XL एक उपन्यास है। बस कहानी कहने का तरीक़ा बदलता है।

साइज़ XXS · PRE-A1
गुनी ने एक शब्द लिखा और जगह छोड़ दी। क्या तुम्हें "साझा" शब्द दिख रहा है?

साइज़ XS · A1
मैंने बस एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ा। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ S · A2
पहले पन्ने पर मैंने एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ M · B1
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ L · B2
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा और आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+

CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। छोटा थिएटर वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो